

प्रेषक,

शैलेश बगौली,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
उत्तराखण्ड।

संख्या-

532

/VI-2/2015-52(6)15

### युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून दिनांक : 24 अगस्त, 2015

विषय :- विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-393/दो-लेखा/खेल मैदान/2015-16 दिनांक 19.06.15 के सन्दर्भ में निम्नलिखित निर्माण कार्य की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था के द्वारा टी0ए0सी0 से परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि के सापेक्ष इतनी ही धनराशि अर्थात् कुल धनराशि रू0 40.00 लाख मात्र (रूपये चालीस लाख मात्र) आपके निवर्तन पर रखते हुये निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन उपभोग/व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) भिकियासैण विकासखण्ड के ग्राम सभा धारण में खेल मैदान का विस्तारीकरण। (रू0 05.00 लाख)
- (2) भिकियासैण विकासखण्ड के जूनियर हाईस्कूल मोहनरी में खेल मैदान का विस्तारीकरण। (रू0 05.00 लाख)
- (3) ताड़ीखेत विकासखण्ड के राजकीय इण्टर कॉलेज देवलीखेत में खेल मैदान का विस्तारीकरण। (रू0 10.00 लाख)
- (4) भिकियासैण विकासखण्ड के चौनलिया इण्टर कॉलेज में खेल मैदान का विस्तारीकरण। (रू0 10.00 लाख)
- (5) भिकियासैण विकासखण्ड के जीनापानी इण्टर कॉलेज में खेल मैदान का विस्तारीकरण। (रू0 10.00 लाख)

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि कार्य आरम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी तथा उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। उक्त कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वित्त विभाग के शासनादेश सं0-474/XXVII(7)/2008 दि0-15-12-08 के विहित शर्तों के अनुसार कार्यदायी संस्था से निर्धारित प्रपत्र पर एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित करा लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि मदवार स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
5. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
6. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
7. अधिप्राप्ति कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।



8. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका से करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। कार्य करते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाय। यदि टेण्डर करने में कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति की लागत से कम लागत पर पूर्ण होता है तो ऐसे समस्त बचतों को प्रचलित वित्तीय नियमों का अनुपालन कर राजकीय कोष में जमा कर दिया जाय।

9. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता परीक्षण नियोजन विभाग द्वारा चयनित संस्था से कराये जाने हेतु प्रस्ताव समयान्तर्गत नियोजन विभाग को प्रेषित करते हुए समयबद्ध कार्यवाही की जायेगी।

10. प्रथम चरण के कार्यों हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में करायी गयी डिजाइन/मानक-पूर्णरूप से अथवा आंशित रूप से विषयगत कार्यों हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए तदनुसार कार्यवाही की जाय।

11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.16 तक उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।

12. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-15-ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम-24-वृहत् निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

13. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-156(P)/XXVII(2)/2015-16 दिनांक 20.08.15 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)  
प्रभारी सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 532 / VI-2 / 2015-52(6)15, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोड़ा।
4. निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. मुख्य अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, भिकियासैण, अल्मोड़ा।
8. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)  
संयुक्त सचिव।